BSKC – 131

BSKLA – 135

बी.ए. (सामान्य) संस्कृत–कोर पाठ्यक्रम

सत्रीय कार्य (प्रथम छमाही)

(जुलाई 2019 एवं जनवरी 2020 सत्रों के लिए)

BSKC – 131 संस्कृत पद्य–साहित्य

BSKLA – 135 संस्कृत भाषा और साहित्य

मानाविकी विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – 110068

बी.ए. (सामान्य) संस्कृत–कोर पाठ्यक्रम

सत्रीय कार्य (2019–20)

पाठ्यक्रम : BAG/BSKC-131/2019–20

BAG/BSKLA-135/2019–20

प्रिय छात्र/छात्राओं,

यह सत्रीय कार्य शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य (TMA) है। सत्रीय कार्य के लिए 100 अंक निर्धारित किए गए हैं। सत्रीय कार्य में उत्तीर्ण होने के लिए न्यूनतम 35 अंक प्राप्त करना अनिवार्य है। सत्रीय कार्य में पूरे पाठ्यक्रम से प्रश्न पूछे जाएँगे।

उद्देश्य : शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य का उद्देश्य यह जाँचना है कि आपने पाठ्य सामग्री को कितना समझा है और आप उसे अपने शब्दों में कैसे प्रस्तुत कर सकते हैं। यहाँ पाठ्य सामग्री की पुनर्प्रस्तुति से तात्पर्य नहीं है वरन् अध्ययन के दौरान जो कुछ सीखा और समझा है उसे आप आलोचनात्मक ढंग से प्रस्तुत कर सकें।

सत्रीय कार्य जमा कराने की तिथियाँ :

जुलाई 2019 सत्र के लिए : 30 अप्रैल 2020

जनवरी 2020 सत्र के लिए : 31 अक्टूबर 2020

सत्रीय कार्य के लिए आवश्यक निर्देश

1. **अध्ययन** : सबसे पहले सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। फिर इससे संबंधित इकाइयों का सावधानीपूर्वक अध्ययन कीजिए। अंत में प्रत्येक प्रश्न के संबंध में कुछ खास बातें नोट कर लीजिए और उन्हें तार्किक ढंग से व्यवस्थित कीजिए।

2. **अभ्यास** : उत्तर का प्रारूप तैयार करने से पूर्व नोट की गई बातों पर विचार कीजिए। अनावश्यक बातों को हटा दीजिए और प्रत्येक बिंदु पर विस्तार से विचार कीजिए। निबंधात्मक या टिप्पणीपरक प्रश्नों में आरंभ और उपसंहार पर विशेष ध्यान दीजिए। उत्तर के आरंभिक अंश में प्रश्न की संक्षिप्त

व्याख्या और अपने उत्तर की दिशा का संकेत अवश्य दे देना चाहिए। मध्य भाग में आप उत्तर का मुख्य भाग आवश्यक विस्तार के साथ क्रमबद्धता और तार्किक ढंग से प्रस्तुत करें। उपसंहार में उत्तर का सार देना चाहिए।

यह सुनिश्चित कर लीजिए कि :

क) आपका उत्तर तार्किक और सुसंगत हो,

ख) उत्तर सही ढंग से लिखा गया हो तथा आपकी अभिव्यक्ति शैली और प्रस्तुति के पूर्णतया अनुकूल हो,
ग) उत्तर, प्रश्न में निर्धारित शब्दों से अधिक लंबा न हो, और

घ) आपके लेखन में भाषागत त्रुटियाँ न हों, विशेष रूप से मात्रा और व्याकरण संबंधी गलतियों से बचें।

3. **प्रस्तुति :** जब आप अपने उत्तर से पूर्णतया संतुष्ट हो जाएँ तो उसे साफ और सुंदर अक्षरों में उत्तर पुस्तिका में लिख लीजिए तथा जिन बातों पर आप जोर देना चाहते हैं, उन्हें रेखांकित कर दीजिए।

शुभकामनाओं के साथ।

नोट : याद रखें कि परीक्षा में बैठने से पूर्व सत्रीय कार्य जमा कराना अनिवार्य है अन्यथा आपको परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

सत्रीय कार्य : BSKLA-135 संस्कृत भाषा और साहित्य

पाठ्यक्रम कोड – BSKLA-135
पाठ्यक्रम शीर्षक – संस्कृत भाषा और साहित्य
सत्रीय कार्य – BSKLA – 135/TMA/2019-2020
पूर्णांक – 100

नोट – सभी प्रश्न अनिवार्य हैं :–

(क) व्याख्या आधारित प्रश्न :–

1. अधोलिखित श्लोक और गद्यांश की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिये :– 20

(क) दिवं यदि प्रार्थयसे वृथा श्रमः, पितुः प्रदेशास्तव देवभूमयः।

अथोपयन्तारमलं समाधिना, न रत्नमन्विष्यति मृग्यते हि तत्।।

अथवा

उवाच चैनं परमार्थतो हरं, न वेत्सि नूनं यत एवमात्थ माम्।

अलोकसामान्यमचिन्त्यहेतुकं, द्विषन्ति मन्दाश्चरितं महात्मनाम्।।

(ख) विश्वरूपत्वमिव ग्रहीतुमाश्रिता नारायणमूर्तिम्। अप्रत्ययबहुला च दिवसान्तकमलमिव समुपचितमूलदण्डकोशमण्डलमपि मुञ्चति भूभुजम्।

अथवा

लतेव विटपकानध्यारोहति। गङ्गेव वसुजनन्यपि तरङ्गबुद्बुदचञ्चला। दिवसकरगतिरिव प्रकटित–विविधसंक्रान्तिः। पातालगुहेव तमोबहुला।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न :–

2. निम्नलिखित वर्णों का उच्चारणस्थान एवं प्रयत्न लिखिये :– 5

ऋ, इ, लृ, ए, व, स, म, अ, य, च

3. अधोलिखित शब्दों में से पुंल्लिंग, स्त्रीलिंग एवं नपुंसकलिंग के शब्दों को अलग कीजिये :– 5

वारि, नर, आत्मन्, गुरु, वधू, रथ, नेत्र, राजन्, लता, मातृ, मधुः, धनु, सखि, अहन्, पुंस, पयस्, सरित्।

4. याच् धातु का लट्, लोट् और विधिलिङ् लकार का रूप लिखिये। 5

5. आकृति के आधार पर वाक्य कितने प्रकार के होते हैं? सविस्तार लिखिये। 5

6. आयुर्वेद सम्बन्धी संहितायें कौन–कौन सी हैं ? सविस्तार लिखिये। 5

7. कथासाहित्य की उत्पत्ति एवं विकास पर टिप्पणी लिखिये। 5

8. पत्र–लेखन कितने प्रकार का होता है? विस्तारपूर्वक लिखिये। 5

9. समाचार प्राप्ति के कौन–कौन से स्रोत हैं ? स्पष्ट कीजिये। 5

10. संस्कृत भाषा में शुद्ध प्रयोग के महत्त्व पर टिप्पणी लिखिये। 5

(ग) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न :–

11. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन शब्दों के रूप लिखिये :– 15

राम, पति, नदी, मातृ, गृह, वारि

12. महाकवि बाण की शैली पर प्रकाश डालिये। 10

13. अधोलिखित में से किसी एक विषय पर संस्कृत भाषा में निबन्ध लिखिये :– 10

(क) संस्कृतभाषायाः महत्त्वम्

(ख) विद्याविहीनः पशुः

(ग) उद्यमेन हि सिद्धयन्ति कार्याणि न मनोरथैः

सत्रीय कार्य : BSKC- 131संस्कृत पद्य–साहित्य

पाठ्यक्रम कोड – BSKC-131
पाठ्यक्रम शीर्षक – संस्कृत पद्य–साहित्य
सत्रीय कार्य – BSKC – 131/TMA/2019-2020
पूर्णांक – 100

नोट – सभी प्रश्न अनिवार्य हैं :–

(क) व्याख्या आधारित प्रश्न :–

1. अधोलिखित श्लोकों की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिये :– 30

(क) क्व सूर्यप्रभवो वंशः क्व चाल्पविषया मतिः।

तितीर्षुर्दुस्तरं मोहादुडुपेनास्मि सागरम् ।।

अथवा

प्रजानामेव भूत्यर्थं स ताभ्यो बलिमग्रहीत्।

सहस्त्रगुणमुत्स्रष्टुमादत्ते हि रसं रविः ।।

(ख) समूलघातमघ्नन्तः परान्नोद्यन्ति मानिनः।

प्रध्वंसितान्धतमसस्तत्रोदाहरणं रविः ।।

अथवा

तुल्येऽपराधे स्वर्भानुर्भानुमन्तं चिरेण यत्।

हिमांशुमाशु ग्रसते तन्म्रदिम्नः स्फुटं फलम् ।।

(ग) अज्ञः सुखमाराध्यः सुखतरमाराध्यते विशेषज्ञः।

ज्ञानलवदुर्विदग्धं ब्रह्मापि नरं न रञ्जयति ।।

अथवा

येषां न विद्या न तपो न दानं ज्ञानं न शीलं न गुणो न धर्मः।

ते मर्त्यलोके भुवि भारभूताः मनुष्यरूपेण मृगाश्चरन्ति ।।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न :–

2. खण्डकाव्य (गीतिकाव्य) का लक्षण लिखिये। 5

3. अमरुक कवि के जीवन–वृत्त एवं कर्तृत्व पर प्रकाश डालिये। 5

4. महाकवि माघ का संक्षिप्त परिचय लिखिये । 5

5. 'माघे सन्ति त्रयो गुणाः' पर प्रकाश डालिये। 5

6. नीतिशतक के प्रतिपाद्य विषय पर टिप्पणी लिखिये। 5

(ग) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न :–

7. महाकवि कालिदास के जीवन–वृत्त, कर्तृत्व एवं शैलीगत वैशिष्ट्य पर प्रकाश डालिये। 10

8. रघुवंश महाकाव्य का कथासार अपने शब्दों में लिखिये। 10

9. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर टिप्पणी लिखिये :– 10

   (क) कुमारसम्भवम् (ख) किरातार्जुनीयम्

   (ग) शिशुपालवधम् (घ) मेघदूतम्

   (ङ) गीतगोविन्द

10. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पात्रों का चरित्र–चित्रण लिखिये :– 15

   (क) राजा रघु (ख) राजा दिलीप

   (ग) सीता (घ) भगवान् श्रीकृष्ण

   (ङ) शिशुपाल